

# AWARENESS PROGRAMME

on

*“Fish Disease Surveillance and Management”*

*At Madaripur Village, Tilouthu Block, Rohtas District on 11 March, 2022*

An Awareness program on **“Disease surveillance and Management in Bihar”** was organized on 11.03.2022 at Madaripur Village, Tilouthu Block, Rohtas District, Bihar under the **“National Surveillance Program for Aquatic Animal Diseases”** project and **Bharat ka Amrut**



**Mahotsav.** ICAR- Research Complex for Eastern Region, Patna organized the program in collaboration with the Department of Fisheries, Rohtas district. The main objective of the program was to make fish farmers aware of fish diseases and their management strategies.

The Pream Kumar Fish farm is a well-managed fish farm of Rohtas district. Since its inception (2012-2013), the unit is progressing in the areas of fish production. However, initially productivity was not



very good as he was practising traditional method of fish culture. The scientific fish farming started in 2017 with the consultation of scientists at ICAR-Research Complex for Eastern Region, Patna. Adopting scientific method of nursery rearing and fish farming operation helped him to increase the production and profit from the farm. With the profit from the fish farm, every year he expanded the farm areas. Apart from fish farming, the proprietor Mr Pream Kumar also maintains Poultry, Bater, Duck, Cattle, Horticulture crops and some forest plantations in the dyke around the periphery of the ponds.

The program started at 11 O' clock with welcome address by Dr. Tarkeshwar Kumar, Scientist, DLFM, ICAR-RCER, Patna. He briefed on organizational structure and



activities of ICAR-RCER, Patna and describes about the pond management practices. Dr. Kamal Sarma, Principal Scientist and I/C Head, DLFM, ICAR-RCER, Patna also explained about fish disease and health management and discussed with farmers on various issues on fish farming, water and soil quality management practices in aquaculture. Dr. Vivekanand Bharti, Scientist, DLFM, ICAR-RCER explained about common fish diseases, diagnostic characteristics,



measures to control the fish diseases and necessary precautions to prevent further occurrence of fish disease outbreaks in fish pond. Finally, a vote of thanks was proposed by Dr. Tarkeshwar Kumar. In this program, 70 farmers and entrepreneurs along with press and media personal from Rohtas and Aurangabad districts were present.

Dr. Kamal Sarma, Dr. Tarkeshwar Kumar, Dr. Vivekanand Bharti & Mr. Devanarayan from ICAR-RCER, Patna, organized the awareness program.

## तिलौथू में कृषि विभाग ने मत्स्यपालकों के लिए आयोजित किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

तिथी रिपोर्टर | तिलौथू

प्रखंड क्षेत्र के समेकित कृषि फार्म मदारीपुर के परिसर में कृषि विभाग के द्वारा "भारत का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम के तहत शुरुआत को मत्स्य रोग निगरानी प्रणाली तथा प्रबंधन हेतु जागरूकता विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ कमल शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक सह विभागाध्यक्ष भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूर्वी प्रखंड, लाहव स्टॉक एन्ड मत्स्य प्रबंधन विभाग ने की। इस प्रशिक्षण में औरंगाबाद व रोहतास से दर्जनों मत्स्यपालक उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा वर्तमान में मछली पालन के



प्रशिक्षण में शामिल मत्स्यपालक।

क्षेत्र में वैज्ञानिक विधि का प्रयोग कर हम ज्यादा से ज्यादा व कम समय में उत्पाद हासिल कर सकते हैं। इसके लिए हमें नियमित तौर पर मछलियों में होने वाले रोग व उनके उपचार के बारे में जागरूक होना पड़ेगा। डॉ शर्मा ने हैचरी से संबंधित कई तरह के टिप्स मछली पालकों को दिये।

फार्म के निदेशक प्रेमचंद सिंह ने उपस्थित दर्जनों मत्स्य पालकों को मछलियों में होने वाली बीमारियों की निगरानी व उपचार विषय पर विस्तार से बताया। मौके पर डॉ तारकेरवर, जलवृत्ति वैज्ञानिक, डॉ विवेकानंद भारती, कृषि वैज्ञानिक, सुनील सिंह व कई अन्य मौजूद थे।

## रोहतास प्रभात

12.03.22

# सामान्य तरीके से भी मछली पालन में अधिक मुनाफा



अमृत महोत्सव पर किसानों को टिप्स देते किसान प्रेम।

प्रतिनिधि, तिलौथू

प्रबंधन बेहतर ढंग का हो, तो सामान्य खेती से मछली पालन में अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। मत्स्य पालन कर लोग कम समय में जहाँ ज्यादा मुनाफा कमा भी रहे हैं, वहीं, लोगों के लिए रोजगार सृजन भी हो रहा है। उक्त बातें आइसीएआर के विभागाध्यक्ष प्रधान वैज्ञानिक डॉ कमल शर्मा ने अमृत महोत्सव के तहत किसान प्रेम फार्म पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि मछली के रोध के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा तालाबों में

- औरंगाबाद और रोहतास से आये 50 किसानों को बताये गये मछली पालन के गुर
- चार इंच मिट्टी की सफाई किये जाने से 90% मछलियां रोग से हो जायेगी मुक्त

रसायन का उपयोग कर रहे हैं, जो मछलियों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव के

अवसर पर जलीय जंतुओं की बीमारियों से बचाव के लिए जागरूकता अभियान में उपस्थित होकर किसानों को अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। किसान प्रेम मत्स्य पालन के लिए किसानों के लिए आदर्श साबित हो रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मत्स्य किसानों को मछलियों में होने वाली बीमारियों से बचाव, सावधानियाँ और प्रबंधन समेत कई जानकारीयों उपलब्ध कराईं। साथ ही सुरक्षित रोध के कई कारगर तरीके भी बताये। किसान प्रेम ने दो जिलों औरंगाबाद और रोहतास से आये 50 किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि

तालाब को हर वर्ष डूढ़ करें, चार इंच मिट्टी की सफाई किये जाने से 90% मछलियां रोग मुक्त हो जायेगी, पानी का एक्सचेंज निरंतर किया जाये, उन्होंने कहा कि कुछ अन्य तकनीकों से भी मछलियों को रोग से बचाया जा सकता है। करगहर से आये किसान राजेश कुमार ने कहा कि सही मात्रा में बीज डालना और बेहतर प्रबंधन के साथ रखरखाव से सामान्य खेती से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उक्त कार्यक्रम में जल कृषि वैज्ञानिक डॉ तापकेश्वर कुमार, डॉ विवेकानंद भारती समेत कई लोग मौजूद रहे।

# हिन्दुस्तान

## तिलौथू में कृषि वैज्ञानिकों ने मत्स्यपालकों को दिया प्रशिक्षण

डेहरी, एक प्रतिनिधि। तिलौथू के मदारीपुर स्थित किसान प्रेम के फार्म हाउस में एक दिवसीय मत्स्यपालकों का प्रशिक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र पटना के वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षक के तौर पर भाग लिया। किसान प्रेम के फार्म हाउस पर जुटे सैकड़ों किसानों को पटना से आए वैज्ञानिकों ने भारत के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रशिक्षण के क्रम में तालाब की देखभाल, मछलियों की प्रजाति, मछलियों में होने वाले रोग तथा रोकथाम के उपाय, मछलियों के लिए फीड की व्यवस्था, रखरखाव, तालाब में ऑक्सीजन तथा पानी की मात्रा की जांच, जलीय जंतुओं में होने वाली बीमारियों से रोकथाम व बचाव इत्यादि के बारे में बताया।

दिनारा के किसान प्रेमचंद, पिंटू कुमार, डेहरी से अरूण कुमार, मनीष कुमार तुंबा, रामडिहरा से राजेश कुमार, रोहन राज, औरंगाबाद से रवि

- प्रशिक्षण में रोहतास व औरंगाबाद के मत्स्य कृषकों ने लिया भाग
- मछलियों के रख-रखाव की दी गई जानकारी

रंजन कुमार, करगहर से अर्जुन सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में बहुत कुछ सीखने को मिला। जिसमें मछलियों की प्रजाति रोहू, कतला, नैन, पन्नास, ब्लैक कार्ब, रूपचंदा इत्यादि की प्रजाति और उनके रखरखाव के बारे में बताया गया। इनमें होने वाले रोग फिट रॉट, ट्रिल रॉट, ड्राईप्सी एवं फिश अल्सर अन्य बीमारियों एवं इसके रोकथाम की जानकारी दी गई। भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक व आईसीआर पूर्वी अनुसंधान केंद्र पटना के विभागाध्यक्ष कमल शर्मा ने

बताया कि मछलियों को ब्रीडिंग के लिए कब का समय अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि जब मछली मेच्योर हो जाती है, तब ब्रीडिंग के लिए प्रजनन कराना उचित होता है। इससे मछलियों में ग्रोथ काफी अच्छा पाया जाता है। अगर मछलियां मेच्योर नहीं हैं और अगर प्रजनन होता है तो इससे ग्रोथ नहीं हो पाया जाएगा।

किसान प्रेम ने किसानों के बीच अपनी अनुभव व जानकारी को साझा किया। कहा कि जो हम पोल्ट्री फार्म करते हैं तथा मुर्गियों के अंडे के छिलके जिसे वेस्ट समझ कर फेंक देते हैं। अगर इसे तालाब में डाला जाए तो इसे मछलियां काफी चाव से खाती हैं और इसके खाने से मछलियों में प्रोटीन पाया जाता है। फिश फार्मिंग के लिए बेहतर प्रबंधन, नए कृषकों को मत्स्य पालन के क्षेत्र में जागरूक करना इत्यादि बातों से अवगत कराया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र पटना के कृषि वैज्ञानिक डॉ.